संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल

(म.प्र. शासन और राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध और
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विष्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(ब)में मान्यता प्राप्त)

संत हिरदाराम नगर, भोपाल – 462030

दूरभाष – (0755) 2640174, 2640178, 2640631, 2640632, फैक्स दृ 2640632

Web Site : www.shgc.in E-mail : santhirdaramgirlscollege@yahoo.com

दिनांक : 27.03.2017

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन

सोमवार, दिनांक 27 मार्च 2017, परम श्रद्धेय सिद्धभाऊजी के आषीर्वाद एवं मार्गदर्षन में संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम कुराना में सात दिवसीय विशेश शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का आयोजन दिनांक 20 मार्च 2017 से 26 मार्च 2017 तक किया गया था। इस शिविर का शुभारंभ डॉ. बिनय राजाराम, सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं लेखिका के मुख्य आतिथ्य में एवं समापन श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, अतिरिक्त महानिदेषक (पुलिस), मध्यप्रदेष पुलिस के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस सात दिवसीय शिविर में महाविद्यालय की रासेयो इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास्तव, श्रीमती वर्षा मंडवारिया एवं सुश्री शाजिया खान सहित 100 रासेयो छात्राओं ने भाग लिया। स्वच्छता, महिला सषक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय आधारित इस सात दिवसीय शिविर में विभिन्न कार्यक्रम, कार्यषालाएं, प्रतियोगिताएं एवं बौद्धिक चर्चाओं का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्राओं द्वारा श्रमदान, वृक्षारोपण, ग्राम संपर्क एवं सर्वे, स्वच्छता कार्य एवं स्वच्छता ओर पर्यावरण विषय आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन कर ग्रामवासियों को जागरूक किया।

इस शिविर का मुख्य आकर्षण परम श्रद्धेय सिद्धभाऊजी, अध्यक्ष, शहीद हेमू कालाणी एज्युकेषनल सोसायटी का विशेश उद्‌बोधन, श्री राजेन्द्र, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (विहान), श्री नरेन्द्र सिंह (परियोजना अधिकारी), द्वारा रक्तदान–महादान ओर एचआईवी एड्स विषय एवं डॉ. अमिता सिंह, आहार एवं पोषण विशेश ज्ञ द्वारा स्वस्थ शरीर के लिये पौष्टिक आहार विषय पर बौद्धिक चर्चा, मूर्तिकला एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट पर आधारित कार्यषाला, नृत्य, गायन, नाटक एवं कवि सम्मेलन प्रतियोगिता और सुश्री मोना मिश्रा द्वारा आत्मरक्षा प्रषिक्षण शिविर रहा। इस शिविर में परम श्रद्धेय श्री सिद्ध भाऊजी द्वारा समस्त छात्राओं को आषीर्वाद स्वरूप 'षिष्टाचार और आचार व्यवहार' नामक पुस्तक एवं पेन वितरित किये। अपने उद्‌बोधन में उन्होनें छात्राओं को अहंकार शून्यता, वाणी में सौम्यता, अपनत्व एवं सम्मान भाव, भारतीय संस्कृति, दूसरों के लिए जीना, माता–पिता एवं गुरूजनों के प्रति सम्मान के भाव एवं कृतज्ञ बनने की बात कही। उन्होनें कहा कि षिष्टाचार जीवन में सफलता की कुंजी है। हम भारतीय परिश्रमी, गुणों से परिपूर्ण एवं संवेदनषील होते है। आज बहुत सारे भौतिक आकर्षण है उनसे बचकर सुसंस्कृत होकर जीवन में अपने लक्ष्य की ओर बढ़े। बचपन में मां के द्वारा रोपित संस्कार हमें गलत मार्ग पर जाने से रोकते है। आपके सद्‌गुण आपके माता–पिता एवं षिक्षकों की देन है, उनके प्रति कृतज्ञ रहें। आज हमारा दायित्व है कि हम अपने माता–पिता के प्रति संवेदनषील एवं वात्सल्यमय व्यवहार करें। समाज के नियमों का पालन करना अनिवार्य है। स्केन्द्रित न हो। यह भूमि हमें त्याग, तपस्या एवं दूसरों के प्रति समर्पण की भावना को सिखाती है। माता–पिता का दर्जा ईष्वर से भी बड़ा एवं सर्वोपरि है। सुपात्र संतान बने। परमसत्ता दयालु, सर्वव्यापक एवं सर्वसमर्थ है। जीवन में अपने समय का 10वां अंष ईष्वर को प्रदान कर ईष्वर की आरती एवं आराधना करें। अच्छे सद्‌गुणी व्यक्ति से सुसंगति एवं मित्रता करें यह आपको जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहयोगी है। अपनी शक्ति एवं क्षमताओं को पहचाने। अपने दायित्वों को पूर्ण ईमानदारी से पूरा कर आत्मसंतोष को प्राप्त करें।

शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, अतिरिक्त महानिदेषक (पुलिस), मध्यप्रदेष पुलिस ने छात्राओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय पुलिस सेवा में महिलाओं का प्रतिषत काफी कम है। इसका मुख्य कारण यह है कि हम इस क्षैत्र में आने के लिये भरसक प्रयास नही करते है। उन्होनें छात्राओं को आईपीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए इसमें सफल होने के गुर भी बतायें। उच्च पद पर आसीन व्यक्ति भी आम ही होता है। जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार के अवांछित एवं गलत व्यवहार को सहन ना करे, अपितु उसका सामना कर उसके खिलाफ आवाज उठाएं। यह परिवार की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे लड़के एवं लड़की में भेद न कर उनकी समान परवरिष करे। इस शिविर का अनुभव आपको जीवनपर्यन्त काम आयेगा।

डॉ. अनंत सक्सेना ने कहा कि इस महाविद्यालय ने हमें रासेयो के सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक प्रदान किये है। महाविद्यालय का हमें सदैव प्रत्येक कार्यक्रम में सहयोग ण्प्राप्त होता रहा है। महाविद्यालय की छात्राओं को रासेयो द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया। है। यदि आप छात्राएं भी इस श्रेणी में अपना स्थान सुनिष्चित करना चाहती है तो 'समाज सेवा से व्यक्तित्व विकास' हमारे इस उद्‌देष्य को जीवन में अपनाकर चरितार्थ करे।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर ने नेतृत्व कौषल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रभावी नेतृत्व का उल्लेख किया। वर्तमान समय में कुषल नेतृत्व की आवष्यकता एवं महत्व को बताते हुए उन्होनें छात्राओं को सफल नेता बनने के गुण बतायें।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि सहित महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर, डॉ. अनंत सक्सेना (समन्वयक, रासेयो बरकतउल्ला विष्वविद्यालय भोपाल), श्री राहुल सिंह परिहार (रासेयो बरकतउल्ला विष्वविद्यालय भोपाल), श्री योगेष मंडलोई सरपंच ग्राम कुराना, श्री ओमप्रकाष किरार, सचिव (ग्राम पंचायत कुराना), महाविद्यालय की रासेयो इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास्तव, श्रीमती वर्षा मंडवारिया एवं सुश्री शाजिया खान सहित रासेयो छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में समस्त अतिथियों का शाल एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। ग्राम कुराना के माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला को महाविद्यालय की रासेयो इकाई द्वारा चार पंखे दान दिये गये एवं आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। ग्राम सरपंच द्वारा महाविद्यालय को इस शिविर के आयोजन हेतु प्रषंसा पत्र प्रदान किया गया। इस शिविर के सफल आयोजन हेतु महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत कुराना के सरपंच एवं विभिन्न पदाधिकारियों को उनके विशेश सहयोग हेतु धन्यवाद एवं तीनो कार्यक्रम अधिकारियों एवं समस्त छात्राओं को बधाई देते हुए मंगल कामना की।

प्राचार्य